सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 280 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 21 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

हज़ार छूरों की तुलना में चार विरोधी अखबारों से अधिक डरना चाहिए।
–नेपोलियन बोनापार्ट

सेना को बर्बाद करने में जुटी... 8 | दुनियाभर के पर्यटकों को प्रदेश से... 3 | मैनपुरी का विकास हमारी प्राथमिकता... 7

क्या सच में गुजरात में फंस गयी भाजपा!

» मोदी और शाह के लिए जरूरी है गुजरात जीतना
» अंबानी और अडानी के भी धंधे दावं पर लगे हैं गुजरात में
» आम आदमी पार्टी पर है सभी की निगाहें

हयात अब्बास

लखनऊ। गुजरात के चुनाव में मतदान को दस दिन बाकी है और लड़ाई दिलचस्प होती जा रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस जहां पिछड़ रही है तो वहीं भाजपा के लिए आम आदमी पार्टी बड़ी चुनौती बन रही है। प्रदेश की 182 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने करीब 30 सीटों पर खेल बिगाड़ दिया है। भाजपा इस बात से डरी हुई है। हालांकि चुनावी रेस में भाजपा अब भी आगे हैं। कांग्रेस दूसरे नंबर पर है। राजनीतिक विशेषज्ञ बताते हैं कि गुजरात चुनाव ही 2024 का रास्ता तय करेगा।

वर्तमान में भाजपा-कांग्रेस की लड़ाई तो है, पर आप ने भाजपा का खेल जरूर बिगाड़ा है। आम आदमी पार्टी 5 से 10 सीट ला सकती है। पीएम मोदी और अमित शाह चुनाव पर पूरा फोकस बनाए हुए है। गुजरात जीतना दोनों का ही उद्देश्य है। वहीं अडानी और अंबानी भी बैक डोर से भाजपा की मदद कर रहे हैं ताकि उनके धंधे चलते रहे। पांच साल पहले के चुनावों में लगभग सभी 182 सीटों पर अपना वोट बैंक साबित कर चुकी कांग्रेस के इस सन्नाटे-पूर्ण प्रचार से ना तो मोरबी पुल हादसे मुद्दा बनता दिख रहा है और ना ही बिल्किस बानो के अपराधियों की 'बाइज्जत' रिहाई। हो सकता है कि कांग्रेस ने तय किया हो कि वो 'हिंदुत्व की सबसे बड़ी प्रयोगशाला वाले गुजरात' में हिंदू-मुस्लिम के बीजेपी के ट्रेप में फंसने से बच रही हो, लेकिन इससे क्या अल्पसंख्यक समाज में भरोसा आएगा कि वो जिस पार्टी के साथ सालों साल रहे वो कांग्रेस आज भी उसके साथ ही है? कांग्रेस की इसी रणनीति का फायदा उठाने में आम आदमी पार्टी लगी है। शहरी मुस्लिम इलाकों में हर घर पहुंचकर वो ये साबित कर रही है कि कांग्रेस नहीं, आप ही आपका भला करेगी। जबकि शहरी इलाकों में भाजपा लोकप्रिय है और उसकी लोकप्रियता के कारण ही उसे इस बार भी सत्ता मिल सकती है। फिलहाल ये तो 8 दिसंबर को परिणाम बताएगा कि बाजी किसके हाथ में रही। बता दें कि बीते 27 सालों से बीजेपी गुजरात की सत्ता पर काबिज है।

182 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने करीब 30 सीटों पर बिगाड़ दिया खेल

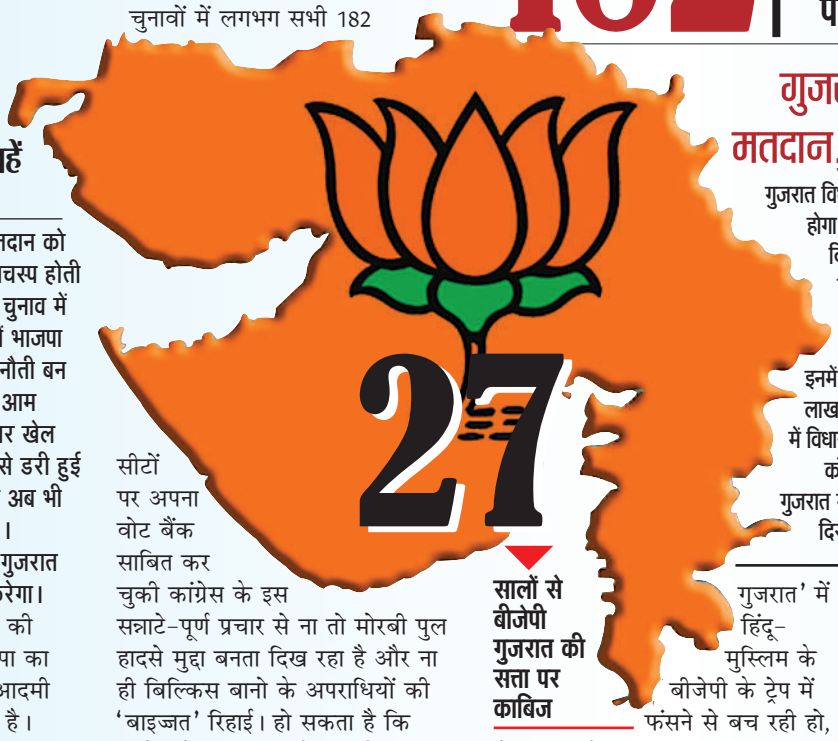

27 सालों से बीजेपी गुजरात की सत्ता पर काबिज

गुजरात में दो चरणों में मतदान, 8 दिसंबर को रिजल्ट

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में राज्य की 89 सीटों पर एक दिसंबर को वोट पड़ेंगे, वहीं दूसरे चरण में 93 सीटों पर 5 दिसंबर को मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि गुजरात में 4.91 करोड़ मतदाता हैं, इनमें से 4.61 लाख नए वोटर हैं। इनमें से 9.87 लाख मतदाता 80 साल से ज्यादा के हैं। गुजरात में विधानसभा की 182 सीटें हैं। 18 फरवरी 2023 को विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। गुजरात में 15वीं विधानसभा के चुनावों का नतीजा 8 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के साथ ही आएगा।

2017 में कांग्रेस ने दी थी बीजेपी को टक्कर

वर्ष 2017 में राज्य में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला था। कांग्रेस ने यहां बीजेपी को कड़ी टक्कर दी थी और उसे 99 सीटों से संतुष्ट होने पर मजबूर कर दिया था लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी ने नए जोश के साथ एंट्री की है। इससे कांग्रेस और बीजेपी दोनों के लिए मुकाबला मुश्किल हो गया है। हालांकि बीजेपी के लिए यहां दांव ज्यादा बड़ा है। 2012 में बीजेपी ने यहां 115 सीटें जीती थीं लेकिन 2017 में कांग्रेस की ओर से मिली टक्कर की वजह से इसकी सीटें घट कर 99 पर पहुंच गईं। हालांकि ये अलग बात है कि अब कांग्रेस के कई विधायक बीजेपी में शामिल हो गए हैं। 2001 में नरेंद्र मोदी के गुजरात का सीएम बनने के बाद ये बीजेपी का सबसे खराब प्रदर्शन था। 2017 के चुनाव में सीटें घटने के दर्द से बीजेपी उबर नहीं पाई है। लिहाजा बीजेपी की टॉप लीडरशिप ने इस बार गुजरात में पूरा जोर लगा दिया है।

स्टिंग पर केजरीवाल का जवाब, जांच करवा लें कुछ नहीं मिलेगा

भाजपा प्रवक्ता बोले- स्टिंग का कल्चर अरविंद केजरीवाल ने शुरू किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 के लिए चुनाव प्रचार जोर पकड़ने लगा है। साथ ही दिल्ली के प्रमुख राजनीतिक दलों ने एक-दूसरे पर हमले भी तेज कर दिए हैं। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी की वार्ता के बाद भाजपा ने जवाबी हमले में एक और स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो जारी कर राजनीतिक को गरमा दिया है। भाजपा ने इस स्टिंग के आधार पर आप पर दिल्ली चुनाव में टिकट बेचने का आरोप लगाया है।

वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल ने तत्काल जवाब देते हुए कहा कि आरोप झूठे हैं, जांच करवा लें कुछ नहीं मिलेगा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया है कि स्टिंग का कल्चर अरविंद केजरीवाल ने शुरू किया था। उन्होंने लोगों से भ्रष्टाचारियों का स्टिंग करने का आह्वान किया था। हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया था। अब लगता है कि भाजपा को हेल्पलाइन नंबर जारी करना पड़ेगा, क्योंकि आप के कार्यालय से एक-एक कर भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि नया स्टिंग वार्ड 54 रोहिणी डी का है, जिसमें दिल्ली नगर निगम चुनाव में टिकट लेने के लिए पैसे मांगे गए हैं।

पैसे लिए गए टिकट देने के लिए

संबित पात्रा ने कहा कि मॉडल टाउन सीट से आप विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी पर पैसे मांगने के आरोप और उनके नजदीकियों की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली निगम चुनाव में टिकट के लिए पैसे मांगने का यह दूसरा स्टिंग है।पैसे के लिए लेनदेन में चेक व पर्ची की चर्चा की है।

मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह पहुंचे अयोध्या

» बोले- वसुधैव कुटुंबकम ही हिंदू धर्म की विशेषता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह आज अयोध्या पहुंचे। लखनऊ से सड़क मार्ग से वह सरयू तट स्थित सरयू अतिथि गृह पहुंचे। यहां नए सिरे से तरोताजा होने के बाद वह बजरंगबली की प्रधानता में पीठ हनुमानगढ़ी पहुंचे। हनुमानजी की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना एवं आरती की। इस दौरान मारीशस के राष्ट्रपति भक्तिभाव में लीन दिखे।

हनुमानगढ़ी के संत एवं शीर्ष हिंदूवादी नेता राजूदास ने उनका स्वागत सत्कार किया। हनुमानगढ़ी में श्रद्धा निवेदित करने के बाद मारीशस के राष्ट्रपति रामलला के दरबार में नतमस्तक होने पहुंचे। वह पूरे भाव और निष्ठा से रामलला के सम्मुख श्रद्धावनत रहे। उन्होंने रामलला की आरती भी की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ भी की और बोले- भगवान राम ने मुझे बुलाया है, इसलिए मैं आया।

किसान एकता से डर गई थी सरकार, पीएम तक को मांगनी पड़ी माफी : जयंत चौधरी

» वह हार गए तो क्षेत्र की जनता को बहुत कुछ मिल जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुजफ्फरनगर में रालोद अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य जयन्त चौधरी ने खतौली विधानसभा क्षेत्र के गांव अखलाकपुरा में नुक्कड़ सभा में कहा कि किसान आंदोलन और उनकी एकता से भाजपा सरकार डर गई थी। हालात ऐसे बने थे कि प्रधानमंत्री तक को मामले पर माफी मांगनी पड़ी थी। यह सब कुछ किसान एकता और आपसी भाईचारे के कारण संभव हो पाया।

उन्होंने कहा कि उनके पिता स्व. अजीत सिंह ने मुजफ्फरनगर से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। उनकी हार भले ही हुई, लेकिन वह यहां पर भाईचारा जीता कर गए हैं। दो बिछड़े भाइयों को उन्होंने मिलाने का काम किया। यही उनकी जीत थी। रालोद अध्यक्ष ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी पर एक सीट जीतने के बाद कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा लेकिन वह हार गए तो क्षेत्र की जनता को बहुत कुछ मिल जाएगा। साथ ही उनका अंहकार टूट जाएगा। प्रदेश सरकार किसानों की बात करती है, लेकिन पिछले वर्ष के मुकाबले डेढ़ माह हो गया है। अभी तक गन्ना मूल्य तय नहीं हो सका है। भाजपा जनता को अपनी वोट समझती हैं, लेकिन हमारा मकसद आपसी भाईचारा और एकता का है इसलिए सर्व समाज को एकजुट होने का समय है। जिन लोगों ने नफरत फैलाने का काम किया। वह संस्कार और सभ्यता की बात करते हैं। बता दें कि रालोद अध्यक्ष जानसठ क्षेत्र के 11 गांवों में नुक्कड़ सभाएं कर गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया के लिए समर्थन जुटा रहे हैं।

उपचुनाव के शोर में थम गया निकाय का जोर

खतौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव का शोरगुल होने के बाद निकाय चुनाव का जोर थम गया है। नगर पालिका अधिकारियों ने वार्डों के आरक्षण की सूची प्रशासन को सौंप दी है, लेकिन यह अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। इसके चलते सभासदी के उम्मीदवारों की धड़कनों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया है। नगर निकायों में 12 दिसंबर के बाद चेयरमैन कार्यकाल थम जाएगा।

लोकतंत्र में किसी की पिटाई नहीं होती

रालोद मुखिया जयंत चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र की एक गरिमा है। निवर्तमान विधायक विक्रम सैनी के एक कथन पर उन्होंने हसकर कहा कि लोकतंत्र में किसी की पिटाई नहीं होती। कहा कि क्षेत्र की महिलाएं उनके परिवार की सदस्यों की तरह है। उन्होंने कहा कि सभी से वोट मांगा जा रहा है। महिलाओं का वह मतदाता के रूप में आदर करते हैं। कहा कि सरकार ने पूर्व में इन दिनों तक गन्ने का रेट तय कर दिया था। इस बार तय नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार को गन्ना किसानों की फिक्र नहीं है। विधानसभा चुनाव मद्देनजर प्रदेश सरकार ने अब से डेढ़ माह पूर्व ही गन्ना मूल्य घोषित कर दिया था। लेकिन इस बार अभी तक गन्ना मूल्य घोषित नहीं किया गया।

इंसान नहीं राक्षस है आफताब : केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। श्रद्धा हत्याकांड पर केशव प्रसाद मौर्य बोले- इंसान नहीं राक्षस है आफताब, ये सब सुनकर रूह कांप गई। प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आफताब एक राक्षस है, जो काम उसने किया है वो इंसान नहीं कर सकता है। ये सब सुनकर रूह कांप जाती है। डिप्टी सीएम ने कहा कि श्रद्धा मर्डर केस आज की बेटियों के लिए एक सीख है कैसे ऐसे दरिंदों से बच कर रहना है, जागरूक रहना है ताकि कोई उन्हें शिकार ना बना सके। उन्होंने कहा कि ऐसे जघन्य हत्याकांड को रोकने और हत्यारों को सजा दिलाने के लिए जी कदम सरकार को और से उठाने चाहिए वे सभी हम उठाएंगे। बीजेपी नेता ने कहा कि ऐसे मामलों में हत्यारों को जल्द से जल्द और कड़ी से काफी सजा देना चाहिए। उधर, यूनिक पार्क सोसायटी के सेक्रेटरी को दिल्ली पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी सोसाइटी में आफताब के माता पिता रहते थे। साथ ही श्रद्धा और आफताब वसई के जिस रीगल अपार्टमेंट में किराए पर रहते थे। दिल्ली पुलिस की टीम ने उस मकान की मालकिन जयश्री पाटकर का बयान दर्ज किया।

कोविड की तर्ज पर होगी डेंगू मरीजों की निगरानी

» हर दिन भर्ती व रेफर होने वालों की तैयार होगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में डेंगू मरीजों की निगरानी कोविड की तर्ज पर बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इस क्रम में अस्पताल में भर्ती मरीजों की हर दिन की रिपोर्ट तैयार होगी। जिन मरीजों की स्थिति गंभीर होगी, उन्हें चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जाएगा। इस संबंध में सभी सीएमओ व सीएमएस को निर्देश भेजे गए हैं। प्रदेश में डेंगू के करीब 14 हजार से अधिक मरीज हैं। इन्हें भर्ती करने के लिए सभी जिलों में डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल खोले गए हैं। इन अस्पतालों में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त की गई हैं। अब शासन ने डेंगू मरीजों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

कहा गया है कि कोविड की तरह हर दिन अस्पताल में भर्ती व डिस्चार्ज होने वाले डेंगू मरीजों की रिपोर्ट तैयार की जाए। अगर किसी मरीज की हालत में निरंतर गिरावट हो रही है तो उसे चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जाए। इसी तरह निजी अस्पतालों को भी निर्देश दिया गया है कि डेंगू मरीजों को भर्ती करें तो तत्काल संबंधित सीएमओ कार्यालय को सूचना दें। ताकि संबंधित जिलों में भर्ती डेंगू मरीजों के बारे में स्पष्ट रिपोर्ट तैयार हो सके।

कमल और लालटेन के बीच झूलता पेंडुलम हैं नीतीश : प्रशांत कुमार

» कहा- वोट यहां दो तो वहां निकल जाते मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश पर जमकर तंज कसा। प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री की चुटकी लेते हुए उनको कमल और लालटेन के बीच झूलता पेंडुलम बताया। प्रशांत ने कहा कि बिहार की जनता भी क्या करे। यहां तो विकल्प ही नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पेंडुलम की तरह झूलते रहते हैं। जनता वोट देती है तो वो कभी इधर जाते तो कभी उधर चले जाते। कभी बीजेपी से मिल जाते तो कभी आरजेडी के साथ निकल जाते। इसके साथ ही बिहार में पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों को शराबबंदी का हर्जाना बताते हुए हमला बोला।

जन सुराज पदयात्रा में प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार की जनता को लगता है कि राज्य में विकल्प नहीं है। कमल और लालटेन के बीच नीतीश पेंडुलम की तरह यहां से वहां झूलते रहते हैं। जब लालटेन के साथ थे और जनता ने वोट दिया तो वह बीजेपी में जाकर मिल गए, जब बीजेपी के साथ थे और जनता ने उन्हें वोट दिया तो वे लालटेन की तरफ जा पहुंचे। आगे कहा कि वोट उसको दीजिए जो आपके बच्चे की खाने की व्यवस्था करे। आपके रोजगार की व्यवस्था करे। उन्होंने कहा कि मोदी आपसे पेट्रोल का दाम 100 रुपये लेते हैं, लेकिन बिहार में पेट्रोल पर 13 रुपये प्रति लीटर ज्यादा देने पड़ते हैं।

विधानसभा चुनाव में मैनपुरी सीट नहीं बचा पाई थी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की विरासत दांव पर लगी हुई है। पार्टी ने अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को उम्मीदवार बनाया है। जबकि बीजेपी ने शिवपाल सिंह यादव के करीबी रघुराज सिंह शाक्य को अपना उम्मीदवार बनाया है, लेकिन सपा की मुश्किलें बीजेपी ने बढ़ा रखी हैं। इसकी मुख्य वजह पिछला विधानसभा चुनाव का परिणाम नजर आता है। इस साल के शुरुआत में विधानसभा चुनाव हुए थे। हालांकि विधानसभा चुनाव पर नजर डालें तो इसके परिणाम सपा के लिए चिंताजनक रहे थे।

मैनपुरी लोकसभा के तहत चार विधानसभा सीट मैनपुरी, भोगांव, किशनी और करहल आती है। इन चार सीटों पर बीजेपी ने मैनपुरी और भोगांव, जबकि सपा ने किशनी और करहल में जीत दर्ज की थी। बता दें कि सपा का गढ़ रही मैनपुरी सीट पर बीजेपी की जीत ही पार्टी के लिए काफी चिंता वाली बात है। इस सीट पर योगी सरकार के मंत्री जयवीर सिंह ने जीत दर्ज की थी। जयवीर सिंह ने सपा के राज कुमार उर्फ राजू यादव को 6,766 वोटों से हराया था। इसके अलावा भोगांव विधानसभा सीट पर भी बीजेपी के राम नरेश अग्निहोत्री ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने सपा प्रत्याशी आलोक शाक्य को 4,767 वोटों से हराया था।

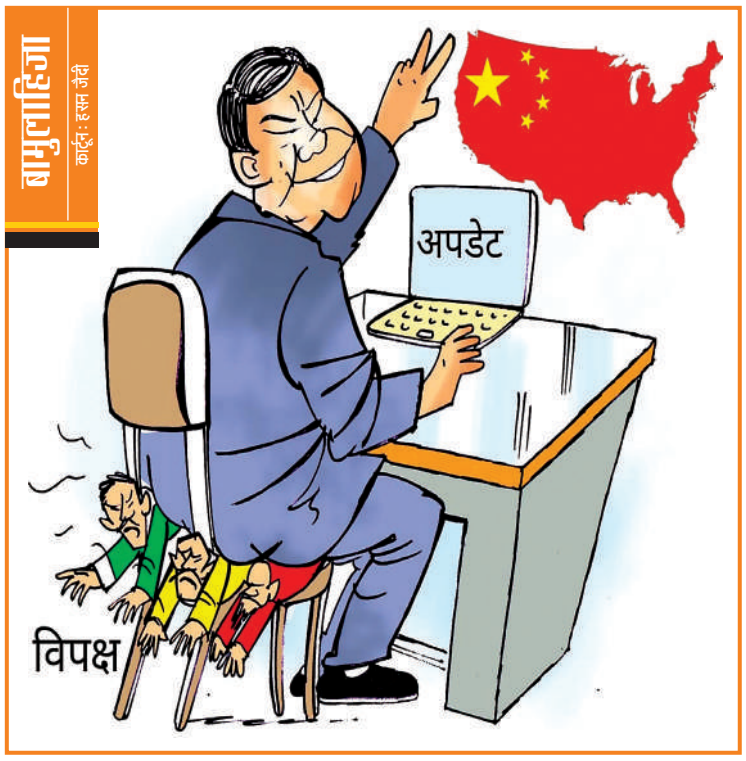

13 देशों को जीआईएस-23 भेजा गया निमंत्रण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले वर्ष 2023 में 10 से 12 फरवरी के मध्य होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2023 के लिए 13 देशों के औद्योगिक मंत्रियों/सेक्रेट्री को निमंत्रण भेजा है। इसके अतिरिक्त समस्त केंद्रीय मंत्रियों को भी निमंत्रण भेजा गया है। इस निमंत्रण पत्र में मुख्यमंत्री योगी ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट को उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए ऐतिहासिक अवसर बताते हुए यूपी में उद्योग और निवेश के लिए बेहद अनुकूल परिस्थितियों का भी जिक्र किया है। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की औद्योगिक विकास नीति 2022-23 के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी है। जिन देशों के औद्योगिक विकास मंत्रियों को निमंत्रण भेजा गया है उनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), जापान, जर्मनी, थाईलैंड, मैक्सिको, साउथ अफ्रीका, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, नीदरलैंड, बेल्जियम, कनाडा एवं अर्जेंटीना शामिल हैं। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रदेश सरकार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन करने जा रही है।

दुनियाभर के पर्यटकों को प्रदेश से जोड़ने की तैयारी में योगी सरकार

» पर्यटन प्रदेश बनाने की दिशा में हो रहा काम

» दस लाख रोजगार पैदा करने का लक्ष्य तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश को 'पर्यटन प्रदेश' के रूप में विकसित करने जा रही है। इसके लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ कम ज्ञात पर्यटन स्थलों को संवारने और प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निजी निवेशकों को 40 करोड़ रुपए तक की छूट प्रदान करने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में नई पर्यटन नीति को मंजूरी दी गई है, जिसमें निवेशकों को फोकस पर्यटन स्थलों के विकास में योगदान देने पर राहतों की बड़ी सौगात दी गई है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई तरह की पहल की हैं। इनमें एक जैसे धार्मिक, भौगोलिक और प्राकृतिक स्थलों को जोड़कर सर्किट बनाने के अलावा नए वैकल्पिक पर्यटन केन्द्रों की स्थापना का खाका तैयार किया गया है। साथ ही, पर्यटन के क्षेत्र में 20 हजार करोड़ के निवेश के साथ-साथ 10 लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य भी तय किया गया है।

हर तरह के निवेशकों को मिलेगी सब्सिडी

नई नीति के तहत प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों को कई तरह के अनुदान देने की बात कही गई है। इसके तहत, 10 लाख से लेकर 10 करोड़ रुपए तक का निवेश करने वालों को 25 प्रतिशत या 2 करोड़ रुपए तक की छूट मिलेगी। वहीं, 10 करोड़ से 50 करोड़ रुपए तक का निवेश करने वाले उद्यमियों को 20 प्रतिशत या 7.5 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इसी तरह 50 करोड़ रुपए से 200 करोड़ रुपए के बीच निवेश पर उद्यमियों को 15 प्रतिशत या 20 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी मिलेगी। वहीं 200 करोड़ से 500 करोड़ रुपए के बीच के निवेशकों को 10 प्रतिशत या 25 करोड़ रुपए तक की छूट प्रदान की जाएगी। 500 करोड़ रुपए से अधिक पूंजी का निवेश करने वाले प्रीमियर निवेशकों को 10 प्रतिशत या 40 करोड़ रुपए में जो भी अधिक हो, सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

युवाओं में विकसित करेंगे पर्यटन की समझ

नीति में युवाओं एवं बच्चों में प्रारंभ से ही पर्यटन व संस्कृति की समझ, आवश्यक्ता तथा महत्व को विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत युवा पर्यटन क्लबों को देश में उत्तरदायी और सतत पर्यटन विकसित करने के साधन के रूप में चिन्हित किया गया है। इसके अलावा राज्य में विभिन्न पर्यटन व्यवसायों द्वारा संचालित असाधारण पहलों और सेवा की गुणवत्ता को मान्यता प्रदान करने के लिए बेस्ट टूर ऑपरेटर, बेस्ट वेलनेस सेंटर, बेस्ट होटल, बेस्ट हेरिटेज होटल, बेस्ट इको टूरिज्म ऑपरेटर, बेस्ट इको रिसॉर्ट, बेस्ट होमस्टे, बेस्ट एडवेंचर टूर ऑपरेटर आदि राज्य पर्यटन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

महिलाओं और एससी-एसटी को 5 प्रतिशत अतिरिक्त छूट

फोकस टूरिज्म डेस्टिनेशन (एफटीओ) में पर्यटन इकाई के प्रस्तावों हेतु महिला उद्यमी तथा अनुसूचित जाति व जनजाति के उद्यमियों को सब्सिडी में अतिरिक्त 5 प्रतिशत का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, पर्यटन इकाइयों की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपए तक की बैंक ऋण राशि पर पात्र पर्यटन इकाइयां अधिकतम 5 साल की अवधि के लिए प्रति वर्ष ऋण राशि के 5 प्रतिशत या अधिकतम 25 लाख की ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाएगी। पंजीकृत पर्यटन इकाइ ब्याज सब्सिडी अथवा कैपिटल सब्सिडी में से किसी एक अनुदान हेतु ही अनुमन्य होगी।

हेरिटेज होटलों के लिए विशेष प्रोत्साहन

हेरिटेज इकाई को लेकर भी नीति में कई प्रोत्साहन दिए गए हैं। हेरिटेज इकाई के मूल स्वरूप में बिना बदलाव लाए इकाई के संरक्षण, विस्तार, रेनोवेशन के जरिए हेरिटेज होटलों का संचालन करने वाले उद्यमियों को पूंजीगत निवेश के 25 प्रतिशत या अधिकतम 5 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। 5 करोड़ के ऋण पर 5 वर्ष तक 5 प्रतिशत तक का ब्याज अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। हेरिटेज इकाइयों को पूंजीगत एवं ब्याज अनुदान दोनों अनुमन्य होगा। हेरिटेज होटल की स्थापना या विस्तारीकरण हेतु क्रय की गई भूमि पर स्टांप ड्यूटी में छूट दिए जाने का प्रावधान है। वहीं हेरिटेज होटल की स्थापना हेतु भू उपयोग परिवर्तन आवश्यक होने पर ऐसा परिवर्तन निशुल्क किए जाने का प्रावधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में हेरिटेज होटलों के परिसर में बार लाइसेंस हेतु लाइसेंस शुल्क में 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति किए जाने का भी प्रावधान है। वहीं राज्य सरकार हेरिटेज होटल्स तक सर्वऋतु मार्ग तथा अतिक्रमण मुक्त लिंक रोड की व्यवस्था कराएगी। निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत सब स्टेशन, ट्रांसफॉर्मर की व्यवस्था की जाएगी तथा आकर्षक साइनेज लगाए जाएंगे।

स्टांप शुल्क और पंजीकरण में 100 प्रतिशत छूट

नई पर्यटन नीति में पर्यटन इकाइयों की स्थापना या विस्तारीकरण हेतु भूमि के प्रथम क्रय, लीज, ट्रांसफर पर स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट दिए जाने का भी प्रावधान है। सभी नई और विस्तार कर रही पर्यटन इकाइयों के लिए भू उपयोग परिवर्तन और विकास शुल्क में भी पूर्ण छूट दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा रोजगार सृजन पर ईपीएफ सब्सिडी, दिव्यांग अनुकूल इकाइयों के लिए विशेष प्रोत्साहन, सूचना और प्रौद्योगिकी सक्षमता के लिए विशिष्ट प्रोत्साहन, नवाचार विशिष्ट हेतु 50 हजार रुपए तक का प्रोत्साहन, पर्यटन, आतिथ्य उद्योग में शोध के लिए 10 लाख रुपए तक की सहायता के अलावा राज्य की दुर्लभ एवं लुप्तप्राय कला, संस्कृति और व्यंजनों का संरक्षण, संवर्धन, पुनर्जीवित किए जाने हेतु 5 लाख तक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है।

प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर सरकार का फोकस

» सरकार जल्द लाएगी नई खेल नीति, विदेशी कोच खिलाड़ियों को देंगे ट्रेनिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के गांव-गांव से प्रतिभावान खिलाड़ियों को ढूढ़ निकालने और उन्हें ओलम्पिक गेम्स के लिए तैयार करने के मिशन में जुट गई है। सरकार जल्द यूपी की नई खेल नीति 2022 लेकर आ रही है। योगी कैबिनेट ने हाल के दिनों में एक के बाद एक विभिन्न सेक्टर्स में ऊर्जा भरने के लिए नई नीतियों को पास किया है। प्रदेश की नई खेल नीति भी इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सरकार प्रतिभावान खिलाड़ियों को वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग और सपोर्ट देने के लिए यूपी खेल विकास कोष का भी निर्माण करेगी, जिसके लिए 100 करोड़ रुपए के शुरुआती बजट का प्लान तैयार है। अपर मुख्य सचिव खेल, डॉ नवनीत सहगल के अनुसार नई खेल नीति 2022 से ओलम्पिक गेम्स में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को अधिक से अधिक पदक जीतने की संभावना बढ़ेगी। सुदूर ग्रामीण अंचलों से खेल प्रतिभाओं को चिह्नित कर उन्हें प्रशिक्षण के साथ खेल से संबंधित सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। स्थानीय स्तर पर बहुत से प्रतिभावान खिलाड़ी हैं, जिन्हें प्रशिक्षण के लिए तैयार किया जाएगा। साथ ही यूपी में स्पोर्ट अथॉरिटी का गठन किया जाएगा।

100

करोड़ रुपए के शुरुआती बजट का प्लान तैयार

खेल प्रतिभाओं की पहचान को टैलेंट सर्च कमेटी

प्रदेश में हर जिले में खेल प्रतिभाओं की पहचान के लिए टैलेंट सर्च कमेटी का गठन किया जाएगा। खेल कैलेंडर तैयार कर खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। उत्कृष्ट श्रेणी का प्रशिक्षण दिलाने के साथ-साथ खेल में यूपी को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

हर जिले में खेल केंद्र व 14 सेंटर आफ एक्सीलेंस

प्रत्येक जिले में एक खेल केंद्र स्थापित कर खिलाड़ियों को अच्छी सुविधाएं दिलाई जाएंगी। अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य व देश का प्रतिनिधित्व करने वाले आवासीय खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता युक्त प्रशिक्षण दिलाने के लिए अगले पांच वर्षों में 14 सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे।

विदेशी कोचों की नियुक्ति करेगी सरकार

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि नई खेल नीति के अंतर्गत 100 करोड़ रुपए के प्रारंभिक बजट के साथ यूपी खेल विकास कोष बनाया जाएगा। इसका उपयोग खेल उपकरण खरीदने, विदेशी प्रशिक्षण शिविर, फिजियोलॉजिस्ट, मनोवैज्ञानिक और विदेशी कोचों की नियुक्ति के लिए किया जाएगा। हर जनपद में जिला खेल केंद्र भी बनाये जाएंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य व देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण के लिए अगले पांच साल में 14 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। साथ ही हर मंडल में फीजियो ट्रेनर और डायटीशियन की नियुक्ति की जाएगी। छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए हर जिले में टैलेंट सर्च कमेटी का गठन किया जाएगा।

हर गांव में बनेंगे खेल मैदान

अपर मुख्य सचिव ने बताया प्रस्तावित खेल नीति को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार कराया गया है। इसके तहत प्रदेश के हर गांव में खेल का मैदान स्थापित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी प्रदेश में लगभग 30 हजार खेल के मैदान हैं, इन्हें दोगुना करके 60 हजार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा प्राइवेट स्पोर्ट्स अकादमियों को भी वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

डेंगू से बचाव के लिए जरूरी उपाय क्यों नहीं

सवाल यह है कि समय रहते डेंगू से बचाव के लिए जरूरी उपाय क्यों नहीं किए जाते हैं? मच्छरों से निपटने के लिए फॉगिंग और दवा का छिड़काव क्यों नहीं किया गया? हर साल लचर चिकित्सा व्यवस्था से लोगों को क्यों दो-चार होना पड़ता है? दवा और फॉगिंग आदि के लिए जारी होने वाला भारी-भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? क्या सरकार ऐसे ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएगी?

सर्दी जैसे-जैसे बढ़ रही है। वैसे-वैसे डेंगू भी पांव पसार रहा है। सर्दी के मौसम में डेंगू का बढ़ना फिलहाल खतरनाक संकेत है। स्वास्थ्य महकमे को इस पर सोचना होगा। क्योंकि डेंगू का प्रकोप एक बार फिर प्रदेश में बढ़ गया है। रोजाना काफी संख्या में लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। लखनऊ में अब तक आठ मौत हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर न तो स्वास्थ्य विभाग न ही नगर निगम और पालिकाएं इसको लेकर गंभीर दिख रही हैं। सरकार के आदेश के बावजूद अस्पतालों में मरीजों को बेड और जरूरी दवाएं तक नहीं मिल रही हैं। लिहाजा आम आदमी इलाज के लिए एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल के चक्कर काट रहा है। सवाल यह है कि समय रहते डेंगू से बचाव के लिए जरूरी उपाय क्यों नहीं किए जाते हैं? मच्छरों से निपटने के लिए फॉगिंग और दवा का छिड़काव क्यों नहीं किया गया? हर साल लचर चिकित्सा व्यवस्था से लोगों को क्यों दो-चार होना पड़ता है? दवा और फॉगिंग आदि के लिए जारी होने वाला भारी-भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? क्या सरकार ऐसे ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएगी? डेंगू से होने वाली मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने की छूट किसी को दी जा सकती है?

यूपी में हर साल बारिश के बाद और सर्दियों की दस्तक के साथ मच्छरजनित रोगों मसलन डेंगू का प्रकोप बढ़ जाता है। डेंगू एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। इसकी रोकथाम की जिम्मेदारी नगर निगम नगर पालिकाओं व स्वास्थ्य विभाग के पास है लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण अकेले लखनऊ में सैकड़ों लोग डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि बीमारी के प्रकोप के बावजूद प्रभावित और अन्य इलाकों में न तो फॉगिंग की जा रही है न ही दवा का छिड़काव ही किया जा रहा है। पुराने लखनऊ की हालत बेहद खराब हो चली है। यहा दर्जनों मरीज रोज डेंगू की चपेट में आ रहे हैं। पॉश कॉलोनियों में भी डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। यह स्थिति तब है जब सरकार लगातार डेंगू की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश जारी कर रही है। स्वास्थ्य विभाग भी नोटिस-नोटिस खेल कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर रहा है। न तो घर-घर डेंगू के मच्छरों को चिन्हित करने का अभियान चलाया गया न ही दवा का छिड़काव ही किया गया। जागरूकता अभियान भी चलाने में संबंधित विभाग नाकाम रहे हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण स्वास्थ्य सेवाएं भी औंधे मुंह आ गयी हैं। अस्पतालों में मरीज को भर्ती करने के लिए पर्याप्त बेड नहीं मिल रहे हैं। दवाओं का भी टोटा पड़ा हुआ है। इसके कारण आम आदमी की हालत पस्त हो गयी है। जाहिर है यदि डेंगू पर नियंत्रण लगाना है तो सरकार को इसकी जवाबदेही तय करनी होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

टीबी की बीमारी पर नियंत्रण जरूरी

राजेंद्र पी जोशी

भारत में करीब 26 लाख लोग आज भी तपेदिक (टीबी) से पीड़ित हैं। विश्व में एक चौथाई मरीजों के साथ भारत दुनिया में टीबी का सबसे बड़ा केंद्र है। नेशनल टीबी प्रिवेलेंस इन इंडिया रिपोर्ट (2019-21) से पता चलता है कि भारत में 15 साल से अधिक उम्र के लोगों में माइक्रोबायोलॉजिकल रूप से पुष्ट टीबी का अनुपात प्रति लाख आबादी पर 316 मरीज है। पल्मोनरी टीबी का सबसे अधिक प्रसार दिल्ली में है, यहां प्रति लाख आबादी पर मरीजों की संख्या 534 है। वहीं केरल प्रति लाख आबादी पर 115 मरीजों के साथ सबसे आखिरी पायदान पर है। टीबी हमेशा से भारत की सबसे बड़ी जन स्वास्थ्य समस्याओं में से एक रही है। भारत ने सतत विकास लक्ष्यों की तय सीमा से पांच वर्ष पहले यानी 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। भारत की यह प्रतिबद्धता तब है, जब दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली कोरोना महामारी के कारण पटरी से उतर चुकी है। सरकार देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए दोगुनी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

टीबी नेशनल स्ट्रेटेजिक प्लान (एनएसपी) 2020-2025 इसी का प्रमाण है। नए एनएसपी में लक्ष्यों को नए सिरे से तय किया गया है, ताकि भारत से टीबी उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय प्रयासों में तेजी लाई जाए। एनएसपी के प्रमुख प्रयासों में पॉपुलेशन स्क्रीनिंग, निजी क्षेत्र में मरीजों की देखभाल के उच्च मानक, सफल इलाज की उच्च दर और डायग्नोसिस के लिए नई तकनीक का उपयोग आदि शामिल हैं। टीबी सिर्फ जनस्वास्थ्य से जुड़ी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक-आर्थिक विकास, पोषण और जीवन-शैली से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। टीबी की बीमारी को सामाजिक कलंक भी माना जाता है, जिसके चलते मरीज को भेदभाव के साथ-साथ आजीविका खत्म होने जैसे नुकसान भी झेलने पड़ते हैं। टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए पहले से अधिक प्रयास, निवेश और सहयोग की आवश्यकता है। बीते कुछ वर्ष में भारत ने टीबी से होने वाली मौतों की दर के साथ ही संक्रमण दर कम करने की दिशा में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। इस बीमारी से पीड़ित लोगों में विविधता और भिन्नता को देखते हुए नए तरीके के सहयोगियों, जैसे कॉरपोरेशन, सिविल सोसाइटी, युवाओं, समुदाय आधारित संगठन और समुदाय के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

ये सभी भागीदार टीबी के खिलाफ जंग में जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस साल की थीम (इनवेस्ट टू एंड टीबी : सेव लाइव्स) टीबी के सफाए के लिए निवेश की जरूरत पर जोर डालती है। यह निवेश सिर्फ वित्तीय ही नहीं, बल्कि मानव संसाधन के रूप में भी होना चाहिए। हालांकि टीबी की समाप्ति को लेकर शीर्ष स्तर पर जबर्दस्त राजनीतिक प्रतिबद्धता देखने को मिलती है, पर इसके बावजूद हमें अभी मौजूदा साझेदारी को मजबूत करने और नए साझेदारों को शामिल करने की जरूरत है।

देश के विभिन्न राज्यों ने टीबी पर नियंत्रण को लेकर बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ टीबी रोगियों के लिए पोषण कार्यक्रम शुरू करने वाला पहला राज्य था, जिसके बाद इस पहल को राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम में शामिल कर लिया गया। उत्तर प्रदेश में राज्यपाल, सरकारी अधिकारियों एवं कॉरपोरेट घरानों का द्वारा 38,000 से अधिक बच्चों को गोद लेना, बिहार में पोषण अभियान की तर्ज पर एक जनांदोलन शुरू करना और कर्नाटक में टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम में सांसदों एवं विधायकों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहन- ऐसी ही पहल हैं। सफल प्रयासों से सीखना और उन पर अमल करना इस बीमारी से निपटने का आसान तरीका हो सकता है। देश की बड़ी आबादी में अपनी सेहत का खुद ख्याल रखने की आदत विकसित ही नहीं हो पाई है, जिसके चलते इस बीमारी के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक हो जाता है। नेशनल टीबी प्रिवेलेंस इन इंडिया रिपोर्ट बताती है कि टीबी के 63.6 फीसदी रोगियों ने इलाज के लिए कोई पहल ही नहीं की है। हर साल लगभग चार लाख टीबी के मामले दर्ज ही नहीं किए जाते। डायग्नोसिस में देरी और इलाज बीच में ही बंद करने से टीबी की बीमारी और भी गंभीर हो सकती है। इससे इलाज का खर्च बढ़ सकता है, और टीबी के फैलने का जोखिम भी बढ़ सकता है। ऐसे में अधिक टीबी मरीजों वाले राज्यों और अधिक जोखिम वाले समूहों में निवेश और संसाधन उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।

इसके तहत लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा और इलाज की जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर देना होगा। रोगियों से भेदभाव खत्म करने के लिए प्रशिक्षण और चैंपियनों का उपयोग किया जा सकता है। साथ ही, टीबी फोरम एवं पेशेंट सपोर्ट ग्रुप की स्थापना कर समाज में जागरूकता फैलाई जा सकती है।

कम कार्बन उत्सर्जन की रणनीति

भूपेंद्र यादव

देश की आजादी की यह शताब्दी सतत विकास से जुड़े राष्ट्रीय प्रयासों को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल करने का मौका प्रदान करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सबके लिए बुनियादी सुविधाओं से लैस विकास के लक्ष्य को पाने के लिए 'सबका प्रयास' का आह्वान किया है। अब जब मोदी सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को विस्तारित करने की कोशिश कर रही है, जलवायु परिवर्तन कई चुनौतियों में से एक है। जलवायु विज्ञान ने यह तथ्य स्थापित किया है कि वैश्विक सतह के तापमान में वृद्धि संचयी उत्सर्जन की समानुपाती होती है और इस वृद्धि को सीमित करने के लिए ग्रीनहाउस गैसों के वैश्विक उत्सर्जन को एक खास सीमा के भीतर रखने की जरूरत है। इस सीमा को वैश्विक कार्बन बजट कहा जाता है। यह कोई रहस्य नहीं है कि विकसित देशों द्वारा बेहद असंगत तरीके से इस बजट के बड़े हिस्से का उपयोग किया गया है। ग्लोबल वार्मिंग को औद्योगिकीकरण के पूर्व के स्तर के 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की 50 प्रतिशत संभावना के लिए 2020 से दुनिया के पास 500 गीगाटन और ग्लोबल वार्मिंग को दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि तक सीमित करने की 50 प्रतिशत संभावना के लिए 1350 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड के समतुल्य का शेष कार्बन बजट है। भारत की जलवायु नीति को इंगित करने वाला प्रमुख सिद्धांत कम कार्बन उत्सर्जन आधारित विकास के रास्ते लक्ष्यों को हासिल करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि भारत का विकास प्रतिमान स्पष्ट तौर पर विकास और जलवायु कार्रवाई को एक-दूसरे के विरोधाभासी के बजाय पूरक के रूप में देखता है। भारत राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप कम कार्बन उत्सर्जन आधारित विकास की दिशा में प्रयासरत है। एक लंबी तटीयरेखा वाले विकासशील देश के रूप में, मानसून में व्यवधान की नाजुकता, आजीविका के लिए कृषि पर अत्यधिक निर्भरता और जल निकायों पर संभावित प्रभाव, जलवायु की चरम स्थितियों और परिणामी खतरों के अन्य किस्म के जोखिमों के बीच भारत को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण संभावित रूप से विकास का अतिरिक्त बोझ उठाना होगा। फिर भी अपनी जिम्मेदारियों, परंपराओं एवं संस्कृति को ध्यान में रखते हुए भारत ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती का सामना करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है. भारत की दीर्घकालिक रणनीति सात प्रमुख बदलावों पर टिकी हुई है। भारत ने पहले ही विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों और पहलों के जरिये इन बदलावों को अपनाना शुरू कर दिया है। इनमें पहला है बिजली प्रणालियों द्वारा कम कार्बन उत्सर्जन। औद्योगिक विस्तार को संभव बनाने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए बिजली क्षेत्र का विकास बेहद महत्वपूर्ण है. भारत नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार कर रहा है और ग्रिड को मजबूत कर रहा है। वह कम कार्बन उत्सर्जन वाली अन्य प्रौद्योगिकियों की खोज और/ या उन्हें सहायता प्रदान कर रहा है, जीवाश्म ईंधन संसाधनों के तर्कसंगत उपयोग की ओर बढ़ रहा है। दूसरा बदलाव परिवहन प्रणाली से संबंधित है। जीडीपी में परिवहन का बड़ा योगदान है। देश बेहतर ईंधन दक्षता को प्रोत्साहित कर रहा है, स्वच्छ ईंधन को अपनाने की दिशा में एक चरणबद्ध बदलाव को बढ़ावा दे रहा है, सार्वजनिक और परिवहन के कम प्रदूषणकारी साधनों की ओर बहुआयामी बदलाव, परिवहन के विभिन्न साधनों का विद्युतीकरण, मांग पक्ष, यातायात प्रबंधन और कुशल परिवहन प्रणालियों को मजबूत कर रहा है। टिकाऊ शहरीकरण तीसरा अहम आयाम है।

भारत शहरी नियोजन से संबंधित दिशानिर्देशों, नीतियों एवं उपनियमों में संसाधन दक्षता को बढ़ावा दे रहा है, इमारतों तथा शहरी प्रणालियों में जलवायु के अनुकूल और लचीले भवन डिजाइन, निर्माण और कार्यान्वयन को बढ़ावा दे रहा है। पानी व कचरा प्रबंधन के जरिए कम उत्सर्जन वाली नगरपालिका सेवा को बढ़ावा दे रहा है। विकास प्रक्रिया का उत्सर्जन से अलगाव चौथी अहम रणनीति है। जीडीपी में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाने वाली निर्देशित नीतियों के साथ औद्योगिक विकास हमारा एक प्रमुख उद्देश्य है। मोदी सरकार अनौपचारिक क्षेत्र को मान्यता देने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास के लिए समुचित प्रयास कर रही है। इनमें कम कार्बन उत्सर्जन वाले विकल्पों का पता लगाया जा रहा है। भारत का ध्यान विनिर्माण क्षेत्र में प्राकृतिक और जैव-आधारित सामग्रियों के उपयोग, प्रसंस्करण एवं ईंधन स्विचिंग और विद्युतीकरण के प्रयासों को बढ़ाकर ऊर्जा एवं संसाधन दक्षता में सुधार लाने, सामग्री दक्षता बढ़ाने और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने, चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, कम उत्सर्जन और उद्यमों के सतत विकास आदि पर है। कार्बन डाईऑक्साइड हटाने और अन्य इंजीनियरिंग संबंधी समाधान पर जोर पांचवा आयाम है। कार्बन डाईऑक्साइड हटाना एक नया क्षेत्र है। इसके लिए नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु-विशिष्ट वित्त और क्षमता निर्माण के माध्यम से पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय समर्थन की जरूरत है। सामाजिक-आर्थिक और इकोसिस्टम संबंधी विचारों के अनुरूप वन एवं वनस्पति के आवरण को बढ़ाना प्रमुख रणनीति है. प्राकृतिक संसाधनों की वृद्धि, संसाधनों की विरासत के संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने के प्रति भारत की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता इस रणनीति को संचालित कर रही है। यह आजीविका, सामाजिक और सांस्कृतिक निर्भरता को ध्यान में रखते हुए एक समावेशी दृष्टिकोण भी होगा। सातवीं रणनीति कम उत्सर्जन वाले विकास के आर्थिक एवं वित्तीय पहलू से संबद्ध है।

जिम छोड़ने की न करें गलती

आज के समय में लोग अपनी फिटनेस के प्रति काफी जागरूक हैं और इसलिए खुद को फिट रखने और एक आकर्षक बॉडी पाने के लिए जिम का रूख करते हैं। लेकिन ऐसे कुछ ही लोग होते हैं जो जिम में खुद को रेग्युलर रख पाते हैं। अधिकतर लोग कभी टाइम न होने या फिर अन्य कारणों से जिम को बीच में ही छोड़ देते हैं। अगर आप जिम करते हैं और एकदम से जिम छोड़ देते हैं। यहां तक कि घर पर भी व्यायाम नहीं करते तो इससे आपकी हेल्थ को काफी नुकसान हो सकता है। तो चलिए आज हम आपको एकदम से जिम छोड़ने के कुछ नुकसानों के बारे में बताते हैं...

मसल्स लॉस

जिम में आप ऐसी कई एक्टिविटीज करते हैं, जिससे आपकी मसल्स बिल्डअप होती हैं, लेकिन एकदम से जिम छोड़ने पर बहुत तेजी से मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि अगर आप जिम नहीं जा रहे तो भी घर पर मसल्स की अलग-अलग एक्सरसाइज जरूर करें या फिर एक एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाएं।

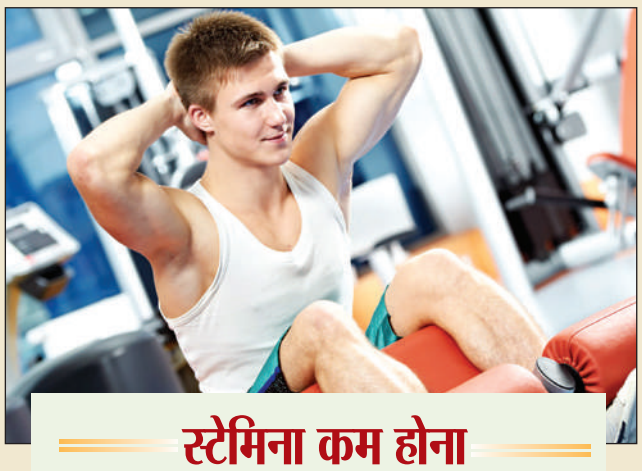

स्टेमिना कम होना

जब आप जिम शुरू करते हैं तो शुरूआत में आपको भले ही थकान हो, लेकिन कुछ वक्त बाद आप खुद में काफी बदलाव महसूस करते हैं। आपकी स्टेमिना व स्ट्रेंथ बढ़ती है। आप एक एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाते हैं, लेकिन जिम छोड़ने के कुछ वक्त बाद ही वह स्टेमिना व स्ट्रेंथ खत्म हो जाती है और फिर आपको अपने भीतर काफी आलस्य महसूस होता है।

बीमारियों का खतरा

आपको शायद जानकर हैरानी हो लेकिन जिम छोड़ने और एक सुस्त लाइफस्टाइल अपनाने से आपको कई गंभीर बीमारियों जैसे हृदय रोगए टाइप 2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, स्टोक, मेटाबॉलिक सिंडोम, आस्टियोपोरोसिस, डिप्रेशन व एंग्जाइटी आदि होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

फैट का बढ़ना

एक्सरसाइज एकदम से छोड़ने का दूसरा नुकसान यह होता है कि इससे आपकी बॉडी का फैट बढ़ने लगता है। पहला तो आप जो अतिरिक्त कैलोरी लेते हैं, उसे बर्न नहीं कर पाते। दूसरा इससे आपका मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो जाता है, जिससे भी वजन बढ़ना शुरू हो जाता है।

"जिम में आप ऐसी कई एक्टिविटीज करते हैं, जिससे आपकी मसल्स बिल्डअप होती हैं, लेकिन एकदम से जिम छोड़ने बहुत तेजी से मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि अगर आप जिम नहीं जा रहे तो भी घर पर मसल्स की अलग-अलग एक्सरसाइज जरूर करें या फिर एक एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाएं।

रखें इसका ध्यान

- अगर आपके पास जिम जाने का समय नहीं है या फिर अन्य कारणों से जिम नहीं जा पाते तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप कुछ आसान तरीकों से एक्टिव लाइफस्टाइल अपना सकते हैं। जैसे-
- लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। जहां भी संभव हों, सीढ़ियों से ही जाएं।
- आप घर पर भी थोड़ा सा व्यायाम जरूर करें। अगर आप अलग से एक्सरसाइज नहीं कर पाते तो सिर्फ दस मिनट रस्सी ही कूदें या फिर अपनी पसंद का गाना लगाकर मस्त होकर डांस करें।

कहानी — तीसरी मंजिल

बुद्ध अपने प्रवचनों में उनके शिष्यों को बहुत सी कथाएं सुनाते थे। यह कथा भी उन्हीं में से एक है। कभी किसी काल में किसी नगर में दो धनी व्यापारी रहते थे। वे दोनों ही अपने धन और वैभव का बड़ा प्रदर्शन करते थे। सुविधा के लिए हम उनके नाम क और ख रख लेते हैं। एक दिन व्यापारी क अपने मित्र ख के घर उससे भेंट करने के लिए गया। क ने देखा कि ख का घर बहुत विशाल और तीन मंजिला था। 2,500 साल पहले तीन मंजिला घर होना बड़ी बात थी और उसे बनाने के लिए बहुत धन और कुशल वास्तुकार की आवश्यकता होती थी। क ने यह भी देखा कि नगर में सभी निवासी ख के घर को बड़े विस्मय से देखते थे और उसकी बहुत बड़ाई करते थे। अपने घर वापसी पर क बहुत उदास था कि ख के घर ने सभी का ध्यान खींच लिया था। उसने उसी वास्तुकार को बुलवाया जिसने ख का घर बनाया था। उसने वास्तुकार से ख के घर जैसा ही तीन मंजिला घर बनाने को कहा, वास्तुकार ने इस काम के लिए हामी भर दी और काम शुरू हो गया। कुछ दिनों बाद क काम का मुआयना करने के लिए निर्माणस्थल पर गया। जब उसने नींव खोदे जाने के लिए मजदूरों को गहरा गड्ढा खोदते देखा तो वास्तुकार को बुलाया और पूछा कि इतना गहरा गड्ढा क्यों खोदा जा रहा है। मैं आपके बताये अनुसार तीन मंजिला घर बनाने के लिए काम कर रहा हूं, वास्तुकार ने कहा, सबसे पहले मैं मजबूत नींव बनाऊंगा, फिर क्रमशः पहली मंजिल, दूसरी मंजिल और तीसरी मंजिल बनाऊंगा। मुझे इस सबसे कोई मतलब नहीं है! क ने कहा, तुम सीधे ही तीसरी मंजिल बनाओ और उतनी ही ऊंची बनाओ जितनी ऊंची तुमने ख के लिए बनाई थी। नींव की और बाकी मंजिलों की परवाह मत करो! ऐसा तो नहीं हो सकता। वास्तुकार ने कहा, ठीक है, यदि तुम यह नहीं करोगे तो मैं किसी और से करवा लूंगा, क ने नाराज होकर कहा। उस नगर में कोई भी वास्तुकार नींव के बिना वह घर नहीं बना सकता था, फलतः वह घर कभी न बन पाया।

हंसना मना है

प्यार किया तो डरना क्या। इस लाइन के बहकावे में आकर न जाने कितने आशिकों ने भरे बाजार में सैकड़ों जूते खाए हैं।

डॉक्टरः आपने आने में देर कर दी। मरीजः क्या हुआ डॉक्टर साहब, कितना वक्त बचा है मेरे पास। डॉक्टरः मर नहीं रहे हो, 6 बजे का अप्वॉइंटमेंट था और तुम 7 बजे आए हो।

गप्पूः क्या हुआ भाई, क्यों परेशान हो। पप्पूः यार पता नहीं वे कौन से लोग हैं जिनके सपनों में राजकुमारी या हसीनाएं आती हैं। मेरे सपनों में तो मैं कभी मर जाता हूं, कभी गहरी खाई में गिर जाता हूं, कभी मुझे भूत उठा ले जाते हैं।

पत्नी ने बर्तन धोने के बाद पति को चाय बनाकर दी, पप्पू बताओ कि इस वाक्य में बर्तन कौन धो रहा है।

10 अंतर खोजें

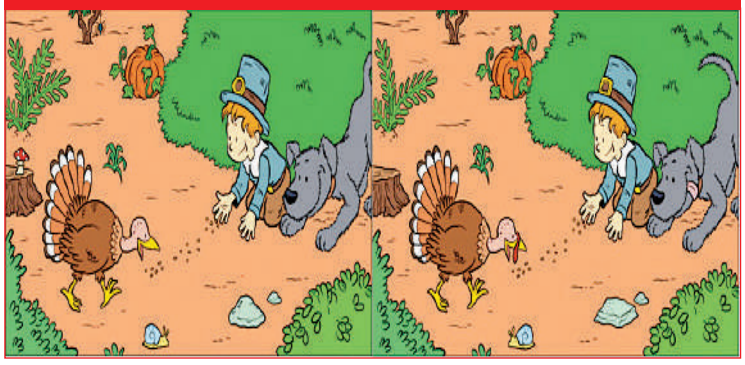

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — दूर से बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है। किसी व्यक्ति से विवाद संभव है। स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृषभ — मेहनत का फल मिलेगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता तथा उत्साह से काम कर पाएंगे। मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने से मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन — भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। सावधान रहें।

कर्क — यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट उपहार की प्राप्ति हो सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। प्रमाद न करें। निवेश शुभ फल देगा।

सिंह — नए संबंध बनाने से पहले विचार कर लें। अपरिचितों पर अधिक भरोसा ठीक नहीं। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। आर्थिक तंगी रहेगी। मन में दुविधा रहेगी।

कन्या — डूबी हुई रकम प्राप्ति होने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। व्यापार-व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी। किसी समस्या का अंत होगा।

तुला — कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन हो सकता है। मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृश्चिक — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में गति आएगी।

धनु — चोट व दुर्घटना आदि से शारीरिक व आर्थिक हानि की आशंका है। लापरवाही न करें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। हताशा का अनुभव होगा।

मकर — जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी।

कुम्भ — भूमि व भवन संबंधी क्रय-विक्रय की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। परीक्षा व प्रतियोगिता आदि में सफलता प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रयास सफल रहेंगे।

मीन — शैक्षणिक व शोध इत्यादि के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे।

छोटा पर्दा | मन की बात

लिव इन रिलेशनशिप पर कनिष्का सोनी का खुलासा

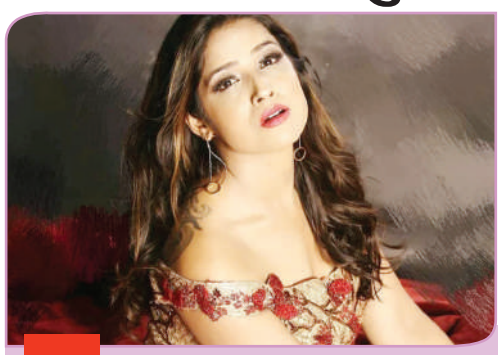

पूरे देश में इन दिनों श्रद्धा और आफताब के केस की चर्चा है। साउथ फिल्म और दीया और बाती हम शो फेम एक्ट्रेस कनिष्का सोनी ने श्रद्धा वालकर की खबर से काफी दुखी हैं। उन्होंने रोते हुए वीडियो बनाया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वो इस तरह की मानसिकता वाले इंसान की करतूतों से गुजर चुकी हैं।

कनिष्का सोनी कहती हैं, श्रद्धा की कहानी से मैं खुद को रिलेट कर पाती हूं। मुझे याद है उस एक्टर ने मुझे प्रपोज करते हुए शादी की बात कही थी। जब मैं उसके साथ रिलेशनशिप में थी, तो मैंने उसके एंगर इश्यू, वॉयलेंट नेचर और ड्रिंकिंग हैबिट को सहा था। मुझे लगता था कि शादी के बाद शायद सुधार आ जाए। मैं ज्यादातर वक्त उसके घर पर ही बिताया करती थी। वो मुझसे लिव इन रिलेशनशिप पर रहने को कहा करता था। हालांकि, मैं जिस जगह से आती हूं, वहां मेरे यहां इसकी इजाजत नहीं है और मैं खुद कभी लिव इन रिलेशनशिप के फेवर में नहीं रही हूं। आगे एक्ट्रेस बताती हैं, मैं ज्यादातर वक्त उसके घर पर रहती थी, क्योंकि आस थी कि हम शादी करेंगे। एक दिन जब मैंने उससे पूछा कि हम शादी कब कर रहे हैं। मैं उसके साथ इसलिए ही रह रही थी, क्योंकि उसने कहा था कि जल्द ही शादी करेंगे। मैंने उसके साथ कई सपने देखे थें। मेरे सवाल पर ही उसे गुस्सा आ गया और उस रात उसने मुझे बहुत मारा था। उस वक्त मेरे अंदर यह डर बैठ गया था कि वो मुझे कभी भी मार सकता है। मैं उसी रात उसके घर से अपना कुछ सामान लेकर भाग निकली थी। प्यार में मैंने लड़कों का केवल यही वॉयलेंट रूप देखा है। कनिष्का आगे कहती हैं, मुझे नहीं लगता कि हमारे देश में लड़कियां लिव इन रिलेशनशिप पर इसलिए जाती हैं, क्योंकि उन्हें उस इंसान के साथ जिंदगी बितानी होती है। वो टाइम पास के लिए लिव इन जैसा बड़ा डिसीजन नहीं लेंगी। हमारे देश में जो माहौल है, वहां केवल इस केस को लेकर अपना मतलब निकाला जा रहा है। मैं लड़कियों को लिव इन पर यही राय देना चाहूंगी कि भले माहौल बदल गया हो, लेकिन आप जबतक इंसान को पूरी तरह जान न लों, ये डिसीजन नहीं लें।

विक्की कौशल ने बताया कैटरीना कैफ को चलता फिरता डॉक्टर

बॉलीवुड | मसाला

विक्की कौशल ने अपनी पत्नी एक्ट्रेस कैटरीना कैफ को चलता-फिरता डॉक्टर बताया। इसके साथ ही विक्की कौशल ने उन्हें साइंटिस्ट भी बताया। हाल ही में एक इवेंट में जब विक्की कौशल से पूछा गया कि वो अपनी सेहत का ख्याल कैसे रखते हैं तो वो कहते हैं कि कैटरीना कैफ को इस फील्ड कै बेहद नॉलेज है। विक्की कौशल ने बताया कि मेरी सेहत मेरी मेंटल हेल्थ से शुरू होती है। मुझे लगता है कि बाकि सब उसके बाद आता है। इसके लिए मैं अपनी फैमिली और दोस्तों पर डिपेंड करता हूं। अगर यहां सब सही रहता है तो आगे सब सही होता है। वहीं फिजिकल हेल्थ की जब बता आती है तो मैं ध्यान में रखता हूं कि मैं सही चीजें खा रहा हूं, नींद पूरी ले रहा हूं और पानी पी रहा हूं।

विक्की ने आगे ये भी कहा कि आप लोग मेरी बीवी के बारे में नहीं जानते हैं पर मेरी बीवी चलता फिरता डॉक्टर हैं। वो एक साइंटिस्ट भी हैं। उन्हें बहुत ज्ञान है और कुछ ज्यादा ही ज्ञान है। ऐसे में वो हमेशा ध्यान रखती हैं कि मैं अच्छे से खाना खा रहा हूं, नींद पूरी कर रहा हूं और सिर्फ काम पर ही ध्यान नहीं दे रहा हूं।

बता दें कि विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने जयपुर में 9 दिसंबर 2021 में शादी रचाई थी। इसके बाद हमेशा सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें जमकर वायरल होती हैं। दोनों की जोड़ी देख हर कोई हैरान रह जाता है। दोनों पब्लिकली एक दूसरे पर जमकर प्यार लूटाते हुए नजर आते हैं।

भेड़िया पर नहीं चली सेंसर बोर्ड की कैंची

वरुण धवन और कृति सेनन स्टारर भेड़िया जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस हॉरर कॉमेडी को लेकर लोगों में काफी बज बना हुआ है। जहां एक तरफ फिल्म के ट्रेलर को लोग बेहद पसंद कर रहे हैं। वहीं फिल्म के धमाकेदार गानों ने सबको थिरकने पर मजबूर कर दिया है। ऐसे में सेंसर बोर्ड की ओर से भी मेकर्स को राहत भरी खबर मिली है।

अमर कौशिक द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी भेड़िया 25 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बता दें कि ये फिल्म 2ष और 3ष में रिलीज होने वाली है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू में पूरे भारत में रिलीज होगी। ऐसे में फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन ने सर्टिफिकेट दिया है। यानि 12 साल से कम उम्र के बच्चे इसे माता-पिता या किसी व्यस्क की गाइडेंस में देख सकते हैं।

भेड़िया अरुणाचल प्रदेश के जंगलों पर आधारित है। फिल्म के ट्रेलर में भी ये साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कैसे वरुण धवन को एक भेड़िया काट लेता है जिसके बाद वो एक इच्छाधारी भेड़िया बन जाते है। ऐसे में उनके खूनी दरिंदा बनने की प्रोसेस को बेहद अतरंगी अंदाज में फिल्म में दिखाया जाएगा।

स्त्री से सबके दिल पर छा जाने वाली श्रद्धा कपूर को हाल ही में दुमकेश्वरी में देख लोग दंग रह गए। ऐसे में श्रद्धा के कमबैक करने का भी फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ये भी कयास लगाए जा रहे हैं कि श्रद्धा फिल्म में कैमियो करती हुई नजर आएंगी और स्त्री 2 की भी अनाउसमेंट के तौर पर इसे देखा जा रहा है।

अजब-गजब | आज तक कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

मात्र पांच साल की उम्र में स्वस्थ बच्चे की मां बन गई थी ये बच्ची

दुनियाभर में कई बार ऐसी घटनाएं घट जाती हैं जिनके बारे में कोई जान तक नहीं पाता। और ये सदियों तक रहस्य ही बनी रहती हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही घटना के बारे में बताने जा रहे हैं। जो एक बच्ची के जन्म से जुड़ी हुई है। दरअसल, आज से करीब 85 साल पहले पांच साल की एक बच्ची ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया था। इतने साल गुजर जाने के बाद भी इसके रहस्य का आज तक कोई पता नहीं लगा पाया कि आखिरकार एक छोटी सी बच्ची मां बन कैसे गई। वह कैसे प्रेग्नेंट हो गई और बच्चे को भी जन्म दिया।

दरअसल, 27 सितंबर 1933 को दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में लीना मदीना नाम की एक बच्ची की जन्म हुआ। लीना की मां का नाम विक्टोरिया लोसिया और पिता का नाम टिबुरेलो मदीना था। लीना के पिता टिबुरेलो एक सुनार थे। जब लीना पांच साल की थी तब उसके पेट का आकार ब?ने लगा। जिससे उसके माता-पिता चिंतित हो गए। लीना का परिवार जहां रहता था वह एक ग्रामीण इलाका था, इसलिए स्थानीय मान्यताओं के अनुसार परिजन एक स्थानीय ओझा के पास ले गए। ओझा ने कई झाड़-फूंक और अनुष्ठान किए पर कोई फायदा नहीं हुआ। पेट का आकार लगातार बढ़ता रहा।

बच्ची का हालत देखते हुए माता-पिता उसे पिस्को शहर के एक अच्छे अस्पताल लेकर पहुंचे। शुरु ने सभी ने यही सोचा कि उसके पेट में रसौली थी, लेकिन डॉक्टर उसके परीक्षण के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि वो सात माह की गर्भवती थी। डा। जेरार्दो लोज़ादा लीना की गर्भावस्था की पुष्टि के लिए उसे अन्य विशेषज्ञों को दिखाने, लीमा ले गये। वहां पर भी उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई। उसके बाद 14 मई 1939 को, मदीना ने सीज़ेरियन शल्यक्रिया के द्वारा एक लड़के को जन्म दिया, सामान्य प्रसूति उसकी कोख के छोटे आकार की वजह से संभव नहीं थी। डा. लोज़ादा और डॉ। बुसालिऊ ने लीना की सर्जरी की और बच्चे का जन्म कराया।

लीना की पूरी कहानी उस समय के मेडिकल जर्नल में प्रकाशित की गई। जिसके मुताबिक जब बच्चे के लिए डॉक्टरों ने उसका ऑपरेशन किया तो उन्होंने भी पाया की उसके शरीर के अंदर प्रजनन अंगों का विकास पूर्ण हो चुका था। लीना के बेटे का नाम, डॉ. जेरार्दो के नाम पर जेरार्दो रखा गया। जन्म के समय जेरार्दो का वजन 2.7 किलो था। बच्चे की परवरिश के लिए लीना बहुत छोटी थी। इसलिए बचपन में जेरार्दो की परवरिश लीना के एक भाई के रूप में की गई। लेकिन जब वो 10 साल का हुआ तो उसे इस बात का पता चला कि मदीना उसकी मां थी। साल 1979 में जेरार्दो की 40 साल की उम्र में एक अस्थि मज्जा रोग के चलते मृत्यु हो गई।

युवावस्था में, लीना ने डॉ. लोज़ादा के लीमा में स्थित क्लिनिक में एक सचिव के रूप में काम किया, जिन्होने उसे और उसके बेटे को शिक्षा प्राप्त करने में मदद की। बाद में लीना ने राउल जुरादो से शादी कर ली। उसके बाद लीना ने साल 1972 में अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया। बताया जाता है कि डॉ. जेरार्दो ने लीना की गर्भावस्था का पता चलने के बाद पुलिस को सूचित किया था। उसके बाद लीना के पिता को अनाचार और बलात्कार के संदेह में गिरफ्तार किया गया। लेकिन बाद में सबूतों के अभाव में उसे रिहा कर दिया गया। उसके बाद लीना के 11 वर्षीय मंदबुद्धि भाई को भी गिरफ्तार किया गया। पर उसे भी सबूतों के अभाव में रिहा कर दिया गया।

यहां फुटबॉल के स्टेडियम में से होकर गुजरती है ट्रेन, खेलते रहते हैं खिलाड़ी

दुनिया में कई ऐसी अनोखी चीजें हैं, जिन्हें देखकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई बार तो कुछ चीजें कल्पना की दुनिया से लगती हैं। सोशल मीडिया पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। आपने खेल के लिए बहुत सारे स्टेडियम देखे होंगे, उनमें सिर्फ गेम्स ही खेले जाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी किसी स्टेडियम में से ट्रेन को गुजरते देखा है। जी हां, एक स्टेडियम ऐसा भी है, जिसमें से ट्रेन गुजरती है। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, इसमें एक ट्रेन को फुटबॉल के मैदान से होकर गुजरते देखा जा सकता है। इस दौरान मैदान में खिलाड़ी भी खेलते नजर आ रहे हैं। वहीं स्टेडियम के किनारे बने स्टैंड पर लोग मैच का लुत्फ उठा रहे हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो को ट्विटर पर नरेंद्र सिंह नाम के यूजर ने शेयर किया है। वीडियो में फुटबॉल स्टेडियम में से एक ट्रेन गुजरती नजर आ रही है। वीडियो को शेयर करने के साथ ही कैप्शन में बताया गया है कि यह नजारा स्लोवाकिया के नैरो गेज रेलवे का है, जो दुनिया में एकमात्र ऐसी रेलवे है जो एक फुटबॉल स्टेडियम के बीच से होकर गुजरता है। इसी दौरान तेजी से सामने आई ट्रेन को देख सभी उसके ड्राइवर को चीयर कर रहे हैं। बता दें कि स्लोवाकिया के तातरान सिर्नी बालोग का एक मुख्य स्टैंड है, जिसे सिर्नी ह्रोन रेलवे लाइन स्टेडियम से गुजरती है। कभी-कभी एक पुराने जमाने की भाप ट्रेन गुजरती है और समर्थकों का जश्न भी रुक जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां वर्ष 1898 में फॉरेस्ट रेलवे के लिए योजना का काम शुरू हुआ था। इस नैरो गेज रेलवे का निर्माण कार्य 1908 में शुरू किया गया था और 1909 में इस रेलवे लाइन पर नियमित रूप से लकड़ी को ढोने का काम सिर्नी बालोग और ह्रोनेक के बीच शुरू हुआ था। इसके बाद साल 1927 में इस रेलवे पर पैसेंजर्स को अनुमति मिली जो सिर्नी बालोग और ह्रोनेक के बीच के लिए था। साल 1982 में इस रेलवे लाइन को बंद कर दिया गया था, लेकिन दस साल बाद यानी 1992 में इसकी मरम्मत की गई और फिर इसे पर्यटकों के लिए विरासत रेलवे के रूप में खोला गया। 20वीं शताब्दी के मध्य तक रेलवे की कुल लंबाई 131,97 किमी थी, जो अब 17 किमी लंबी ही रह गई है। यह लाइन दुनिया का एकमात्र रेलवे है जो फुटबॉल स्टेडियम के बीच से होकर गुजरती है। यह रेलवे लाइन टीजे टाट्रान सिएरनी बालोग क्लब से संबंधित स्टेडियम में एक ग्रैंडस्टैंड के सामने से होकर गुजरती है। जिसका नजारा देखने भारी संख्या में दर्शक आते हैं।

मैनपुरी का विकास हमारी प्राथमिकता : डिंपल

» देश की राजनीति को दिशा देने वाला चुनाव है मैनपुरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के प्रचार में भोगांव और सैफई में आयोजित समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में आये कार्यकर्ताओं में जिस तरह से जोश दिखाया, उससे लगता है कि रिकार्ड मतों से जीत के संकल्प को इस बार मतदाता और कार्यकर्ता पूरा करके ही रहेंगे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव पर सभी की निगाहें लगी हैं। यह देश की राजनीति को दिशा देने वाला चुनाव है।

समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूर्व सांसद डिंपल यादव ने कहा कि नेताजी के हृदय में मैनपुरी बसती रही है। मैनपुरी का विकास हमारी प्राथमिकता है। नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी जब मैनपुरी का एक-एक मतदाता साइकिल का बटन ईवीएम में दबाकर ऐतिहासिक जीत से जिताएंगे। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि हमें एकजुट रहकर डिंपल यादव को रिकार्ड मतों से जिताना है। यह सम्मान की लड़ाई है। उपचुनाव में हर एक वोट साइकिल चुनाव चिह्न पर देकर रिकार्ड बनाना है।

अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने सभी से ईवीएम को लेकर सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब डब्बे बदल सकते हैं तो ईवीएम भी बदल सकती है। सरकार नहीं बताती है कि 20 लाख ईवीएम कहां गायब है? शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ने जो मिथ पाल रखा है उसे तोड़ना है। नेताजी के आदर्शों पर चलकर नेताजी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को निभाना है। नेताजी जो जिम्मेदारी छोड़ गए हैं, उसका नेतृत्व अखिलेश यादव को करना है। हम सब साथ है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा में घबराहट है। घबराहट इसलिए है, क्योंकि मैनपुरी के मतदाताओं ने इस उपचुनाव में भाजपा का सफाया करने का मन बना लिया है। भाजपा साजिश और षड्यंत्र करती है। भाजपा जैसा षड्यंत्र कोई नहीं कर सकता है। हम लोगों को लेकर भाजपा बहुत परेशानी और तकलीफ में रहती है। उसकी तकलीफ की दवा कहीं नहीं है। हमारा परिवार दूर हो जाए तो कहते हैं कि परिवार में झगड़ा है। हम एक साथ आ जाएं तो कहेंगे परिवारवादी है। उन्होंने कहा कि हम सब एक हैं। आने वाला समय बताएगा इसका परिणाम कितना बड़ा होगा। यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी और समाजवादियों को लेकर भाजपा तमाम तरह का दुष्प्रचार करती है। हमारे नेता और कार्यकर्ता भाजपा के दुष्प्रचार से सावधान रहें। नेताजी ने हम सब को भाईचारे और सौहार्द की राजनीति सिखाई है। सिखाया है कि सभी का सम्मान कैसे किया जाए। हम लोगों को सभी जाति, वर्ग, धर्म के लोगों को साथ लेकर चलना है और विकास की राजनीति करनी है। अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी और इटावा के आसपास जो भी विकास दिखाई दे रहा है सब नेताजी की देन है। नेताजी ने सड़कें बनाई। स्कूल बनाए, मेडिकल कॉलेज बनाएं। लोगों को सुविधाएं दी।

चिकित्सकों की घोर लापरवाही का बृजेश पाठक ने लिया संज्ञान

» लखीमपुर के सीएमओ से डिप्टी सीएम ने मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर। ग्राम पंचायत मोतीपुर में स्थित एमसीएच विंग तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पतरासी में चिकित्सकों की लापरवाही को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संज्ञान में लिया है। इसे लेकर उन्होंने न केवल ट्वीट किया, बल्कि सीएमओ डॉ. संतोष कुमार गुप्ता से कार्रवाई व जवाब भी तलब किया है। दो दिन पहले एमसीएच विंग ओयल में तथा पतरासी में गर्भवती महिला के पहुंचने पर चिकित्सकों के न मिलने को उपमुख्यमंत्री ने लापरवाही बताया है।

सीएमओ डा. संतोष गुप्ता ने चिकित्सकों से जवाब तलब किया है, उन्होंने बताया कि मोतीपुर ओयल के अस्पताल में शनिवार को रात में जब मरीज पहुंचे तो डाक्टर नहीं बैठे थे। इस मामले की शिकायत भी उन्हें मिली है, हालांकि इस मामले को सीएमएस देख रहे हैं, फिर भी उन्होंने सीएमएस से कहा है कि जो भी डाक्टर मौके पर मौजूद नहीं थे, उनसे जवाब तलब किया जाए। मामले की जांच चल रही है। इसके

रेलवे-बस टिकट से भी स्वास्थ्य योजनाओं का होगा प्रचार

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अब स्वास्थ्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार ऐतिहासिक स्थल, तीर्थ क्षेत्र, चिड़िया घर, रेलवे व बस टिकटों के माध्यम से किया जाएगा। वहीं डिजिटल प्लेटफार्म से भी प्रचार-प्रसार होगा। लोगों को स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक जानकारी दी जाएगी और उन्हें जागरूक किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर यह प्रचार-प्रसार अगले महीने से शुरू हो जाएगा।

अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पतरासी में गर्भवती महिला के पहुंचने पर वहां भी महिला डाक्टर मौजूद नहीं मिलीं। इस मामले में दो दिन के अंदर जवाब तलब कर के उपमुख्यमंत्री के पास भेजेंगे।

बिहार : राजद के तीसरे मंत्री आरोपों से घिरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सरकार में राजद कोटे से मंत्रियों पर लगातार आरोप लग रहे हैं या फिर वे किसी अन्य कारणों से हटाए जा रहे हैं। अब तक दो मंत्रियों (कार्तिक कुमार और सुधाकर सिंह) ने पद से इस्तीफा दे दिया है।

वहीं अब राजद कोटे से उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ के यहां आईटी की छापेमारी हुई है। उनके मंत्री पद से इस्तीफे की चर्चा राजनीतिक गलियारों में जोरों पर है। 17 नवंबर को समीर महासेठ के पटना में इनकम टैक्स गोलंबर स्थित आवास पर छापेमारी हुई। यह छापेमारी आईटी की ओर

» लालू के 8 नजदीकी नेता भी निशाने पर

से की गई। उनके करीबी माने जानेवाले कई बिल्डरों के यहां भी छापेमारी की गई। हालांकि उनका कहना है कि उन सबसे इनका कोई संबंध नहीं है। जानकारी है कि आईटी के अफसरों को इस बात के साक्ष्य मिल रहे हैं कि कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कई बड़ी कंपनियों में सफेदपोशों का पैसा लगा हुआ है। समीर महासेठ की पहचान एक बिजनेसमैन के रूप में भी रही है। उनके पिता राजकुमार महासेठ तीन बार विधायक रहे और मंत्री भी रहे। हालांकि इस कार्रवाई पर राजद शांत है। पार्टी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी के अनुसार उनके नेता तेजस्वी यादव ने पहले ही कह दिया है कि साल 2024 तक यही सब चलेगा। तिवारी कहते हैं कि जो राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ सकते, युवाओं को रोजगार नहीं दे सकते, वो यही सब कर सकते हैं। इस तरह की किसी कार्रवाई का असर राजद पर नहीं पड़ेगा। उल्टे जनता का गुस्सा भाजपा के प्रति बढ़ेगा ही।

शिविर में 23 लोगों ने किया रक्तदान, प्रशस्ति पत्र भी मिला

कानपुर (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। संकल्प सेवा समिति एवं क्षत्रिय जागरण समिति के संयुक्त तत्वाधान में बर्रा 8 में चंद्रभान सिंह परिहार के आवास में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में घाटमपुर विधायिका सरोज कुरील ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसमें 23 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, सभी रक्तदाताओं को संस्था द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में एचडीएफसी बैंक ने अपना सहयोग किया और सभी रक्तदाताओं को पानी की बोतल गिफ्ट किया। रक्तदान करने वालों में पिंक चौकी प्रभारी रूबी सिंह, रिटायर्ड फौजी गुड्डू सिंह

परिहार, रणविजय सेंगर, चंद्रभान परिहार, शास्वत गुप्ता, संदीप तिवारी, लर्ष कसेरा आदि लोगों ने रक्तदान किया। संस्था के अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान ने बताया कि ये संकल्प सेवा समिति का 118वां रक्तदान शिविर है। संस्था के द्वारा लगातार इसी प्रकार से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे है, जिससे जरूरतमंद को ब्लड मिलता रहे।

आजम की तरह इरफान पर भी कानूनी शिकंजा कसा

सभी मुकदमों को खोलने की तैयारी, इरफान का मकान कुर्क होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव के नजदीकी सपा के फरार विधायक इरफान सोलंकी पर आजम खां की तरह पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। फरार चल रहे नेता के खिलाफ मेडिकल कॉलेज कांड के दौरान स्वरूप नगर थाने में दर्ज सभी मुकदमों की फाइल दोबारा खोलने की तैयारी है। ऐसे में ये माना जा रहा है कि इरफान के खिलाफ भी कानूनी घेराबंदी आजम खां की तरह होगी।

अफसरों का एक पैनल इरफान के खिलाफ मेडिकल कॉलेज कांड में दर्ज 4 मुकदमों की समीक्षा कर रहा है। अफसरों की माने तो इन चारों मुकदमे में साक्ष्य थे। मगर सत्ता के रसूख के चलते विधायक को क्लीन चिट दी गई। इन केस में फाइनल रिपोर्ट लगा दी गई थी। मौजूदा समय में कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट से विधायक इरफान सोलंकी पर पड़ोसी महिला का घर फूंकने का आरोप है। पूर्व विधायक और उनके भाई रिजवान के खिलाफ जाजमऊ थाने में एफआईआर दर्ज है। इसके बाद से दोनों भाई फरार चल रहे हैं। अब ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने शनिवार को इरफान सोलंकी के खिलाफ स्वरूप नगर थाने में दर्ज सभी मुकदमों की फाइल तलब की है। पुलिस अफसरों की माने तो 2014 में मेडिकल कॉलेज कांड में दर्ज सभी मुकदमों में विधायक के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य होने के बाद भी सत्ता के रसूख के चलते मामले में एफआर लगाकर विधायक को क्लीनचिट दे दी गई थी। लेकिन अब उन सभी मुकदमों को दोबारा खोलने की तैयारी की जा रही है। अफसरों का पैनल स्वरूप नगर में इरफान सोलंकी के खिलाफ दर्ज 4 मुकदमा की समीक्षा कर रहा है। एक मुकदमा दर्ज होने के बाद स्पंज कर दिया गया था। जबकि 3 में जांच के बाद फाइनल रिपोर्ट लगा दी गई थी। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने कहा कि सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। इसके बाद से विधायक और उनका भाई फरार चल रहा है। मामले में कोर्ट ने दोनों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कर दिया है। इसके बाद भी दोनों हाजिर नहीं हो रहे हैं।

राष्ट्रीय सहमति के कारण चांसलर का पद संभालते हैं राज्यपाल : मो. आरिफ

» केरल के गवर्नर बोले- विश्वविद्यालयों को उनके प्राचीन गौरव को बहाल करना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल में कुलपतियों की नियुक्ति का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आज एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि विश्वविद्यालय में चांसलर की नियुक्ति राष्ट्रीय सहमति के कारण होती है न कि राज्य सरकार की इच्छा से।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद की अनुमति नहीं दी जा सकती है। अगर पिनाराई विजयन इस बात से अनभिज्ञ हैं कि उनके कार्यालय में क्या हो रहा है, तो वह एक अक्षम मुख्यमंत्री हैं।

राज्यपाल खान ने कहा कि विश्वविद्यालयों को उनके प्राचीन गौरव को बहाल करना होगा। उन्हें इस भाई-भतीजावाद से मुक्त होना होगा। उन्होंने कहा कि चांसलर के रूप में उनका कर्तव्य यह सुनिश्चित करना था कि विश्वविद्यालयों में कोई कार्यकारी हस्तक्षेप न हो और यही कारण है कि राज्यपाल अपने पद के आधार पर चांसलर के पद पर बने रहते हैं।

राज्यपाल खान ने कहा कि 1956 में केरल के अस्तित्व में आने से पहले भी राज्यपाल विश्वविद्यालयों के चांसलर थे। यह कुछ ऐसा है जिस पर एक राष्ट्रीय सहमति बनी और एक राष्ट्रीय सम्मेलन विकसित हुआ। क्यों? ताकि विश्वविद्यालयों में कोई कार्यकारी हस्तक्षेप न हो और उनकी स्वायत्तता सुरक्षित रहे।

सरदार पटेल देश को एक कर सके तो इसका श्रेय शंकराचार्य को है

भारत की सांस्कृतिक एकता के बारे में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि यदि सरदार वल्लभभाई पटेल 1947 के बाद भारत को एक कर सके तो इसका श्रेय वास्तव में केरल के पुत्र शंकराचार्य को जाता है, जिन्होंने एक हजार साल से भी पहले लोगों को अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता रही है, लेकिन लंबे समय तक देश राजनीतिक रूप से खंडित रहा। खान ने कहा कि राजनीतिक एकता, राष्ट्रीय एकता हाल की परिघटना है और लाखों सालों से हम राजनीतिक रूप से खंडित थे।

कुमार को धमकी देने वाला गिरफ्तार

» पूछताछ में किए कई खुलासे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। मशहूर कवि कुमार विश्वास को ईमेल के जरिए धमकी देने वाले शख्स को गाजियाबाद पुलिस ने मध्य प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। आरोपी की पहचान लोकेश शुक्ला के रूप में हुई है। बता दें कि गुजरात विधानसभा और दिल्ली एमसीडी चुनाव के बीच कवि कुमार विश्वास को जान से मारने की धमकी मिली थी। कुमार के मैनेजर प्रवीण पाण्डेय ने बताया कि ईमेल के जरिए यह धमकी दी जा रही है।

ईमेल करने वाले व्यक्ति ने भगवान राम के लिए बेहद अपमानजनक बात कहते हुए उनकी महिमामंडन नहीं करने की चेतावनी दी है। साथ ही धमकी देने वाले शख्स ने दिल्ली के अरविंद केजरीवाल को कुमार से बेहतर बताते हुए उनपर टिप्पणी नहीं करने की चेतावनी दी है। प्रवीण ने बताया कि शख्स ने ईमेल में लिखा है कि मैं शहीद उधम सिंह की शपथ खाता हूं कि तुझे मारूंगा। इस मामले में कुमार विश्वास के ऑफिस की ओर से ईमेल की सूचना गृह मंत्रालय द्वारा मुहैया कराई गई सुरक्षा एजेंसी को भी दे दी गई है। वहीं इसे लेकर कुमार ने ट्वीट किया है, कि ब उन्हें और उनके चिंटुओं को मेरे द्वारा मेरे राघवेंद्र सरकार राम का महिमामंडन करना पसंद नहीं। कह रहे हैं कि मार देंगे, ये सब ठीक है पर अपने चिंटुओं को बोलो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को गाली न बकें। अपना काम करो, नहीं तो याद रखो रावण तक का वंश नहीं बचा, तुम ऐसे कौन लवणासुर हो? फिलहाल इस मामले को लेकर कुमार विश्वास की तरफ से गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

बेकाबू बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर, तीन की मौत

» सोनभद्र में हादसा, शादी समारोह से लौट रहे थे तीनों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सोनभद्र जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। ओबरा के नगर पंचायत बैरियर स्थित जुल्गुल माइंस मोड़ के पास आधी रात बाद भीषण हादसा हुआ। तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से बाइक सवार भाई-बहन और भांजी की मौत हो गई। तीनों एक शादी से घर लौट रहे थे। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में ले लिया है।

नगर के अंबेडकर चौराहा निवासी वसीम अहमद (27) पुत्र स्व.हमीद, हिना (20) पुत्री स्व. हमीद और उनकी भांजी इस्मा (16) पुत्री सुल्तान वारसी भलुआ टोला स्थित एक होटल में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रात करीब 12 बजे तीनों बाइक पर सवार होकर समारोह से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ओबरा से चोपन की तरफ जा रही अनियंत्रित बोलेरो ने नगर पंचायत बैरियर जुल्गुल माइंस मोड़ के पास जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद बाइक लगभग 100 मीटर तक बोलरो के साथ घिसटते हुए बैंक आफ इंडिया शाखा तक गई। हादसे में बाइक सवार भाई बहन और भांजी की मौत हो गई।

दहेज प्रताड़ना के केस में अहम फैसला

सात साल तक की सजा में सीधे गिरफ्तारी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने दहेज प्रताड़ना के मामले में अहम फैसला देते हुए कहा कि सात साल तक सजा वाले केस में आरोपी को सीधे गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। हालांकि गिरफ्तारी जरूरी होने पर कारण दर्ज करते हुए ऐसे मामलों में आरोपी की गिरफ्तारी हो सकती है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की खंडपीठ ने यह फैसला मुकेश यादव व अन्य आरोपियों की याचिका पर सुनाया।

याचियों के खिलाफ स्थानीय गोसाईगंज थाने में दहेज प्रताड़ना व मारपीट का मुकदमा दर्ज है। याचियों ने केस में गिरफ्तारी पर रोक लगाने की गुजारिश की थी। उनका कहना है कि इस अपराध के लिए अधिकतम सात साल की सजा है। ऐसे में उनकी सीधे गिरफ्तारी न करके विवेचना अधिकारी को सीआरपीसी की धारा 41(1) में वर्णित प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया जाए। इस धारा के तहत पुलिस अधिकारी को आरोपी को पहले से बताए हुए स्थान व समय पर पेश होने का नोटिस जारी करना आवश्यक है। अगर आरोपी नोटिस की शर्तों का पालन करता है तो उसे तब तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, जब तक पुलिस अफसर दर्ज कारणों पर गिरफ्तारी को जरूरी ठहराता है। इसके मद्देनजर कोर्ट ने विवेचना अधिकारी को निर्देश दिया कि सीआरपीसी की धारा 41-ए के प्रावधानों का अनुपालन करने के बाद ही गिरफ्तारी आदि की कार्रवाई की जाए।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक

सांध्य दैनिक 4PM जिद...सच की

के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

सेना को बर्बाद करने में जुटी सरकार : मलिक

» पूर्व राज्यपाल ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में देश के हालात बिगड़ने वाले हैं। कई तरह की लड़ाई शुरू होने वाली है। इसके लिए सिर्फ मोदी सरकार जिम्मेदार है। मलिक ने कहा कि मोदी यह न भूलें की पावर आती जाती है। देश को इतनी बुरी स्थिति में न पहुचाएं कि उसे फिर से सुधारा न जा सके। इस दौरान मलिक ने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर राजस्थान सरकार पर निशाना साधते हुआ कहा- जो सरकार ओबीसी आरक्षण से छेड़छाड़ करेगी, वह जाएगी।

मोदी जी ये न भूले पावर तो आती-जाती है

सत्यपाल मलिक ने कहा- मैं ब्रह्म वाक्य बोल रहा हूं। जिस देश में किसान और नौजवान खुश नहीं है। उस देश को कोई नहीं बचा सकता। मोदीजी को यह समझ लेना चाहिए कि पावर तो आती जाती है। पहले लोग कहते थे कि इंदिरा गांधी को कोई नहीं हटा सकता। लेकिन उन्हें भी जाना पड़ा और मोदी जी को भी जाना पड़ेगा। इसलिए मोदी जी हालात इतने भी मत बिगाड़ो, जिसे सुधारा नहीं जा सके। बता दें कि सत्यपाल मलिक ने करीब पांच महीने पहले भी बयान दिया था कि अगर समय रहते एमएसपी पर कानून नहीं बनाया तो देश में किसानों और सरकार के बीच भयंकर लड़ाई होगी। मैं खुद अपना इस्तीफा जेब में लेकर घूमता हूं।

दरअसल, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक राजस्थान यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष निर्मल चौधरी के पदभार ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। इस अवसर पर राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा कि कुछ समय में देश में कई तरह की लड़ाई शुरू होने वाली है। किसान फिर से सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे। वहीं, नौजवान भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना सिर्फ किसान कॉम को खत्म करने की साजिश है। क्योंकि किसानों के बच्चे पढ़ लिखकर सेना में अच्छे पदों पर जाते थे। वह लोग दूसरे किसानों के बच्चों को भी पढ़ा लिखा कर सेना में आने का मौका देते थे। अब सिर्फ तीन साल की सेना की नौकरी में युवा कुछ नहीं कर पाएंगे। मुझे पता चला है कि अग्निवीर वाले युवाओं को हथियार छूने की भी इजाजत नहीं होगी। ऐसे में केंद्र सरकार सेना को बर्बाद करने में जुटी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।